

Roll No. :

**HINS3112LT**

**B.A., Semester-Third,**

**Examination-2023**

**HINDI LITERATURE**

**PAPER - Second**

(हिन्दी निबन्ध)

[Time : 3 Hrs.]

[Maximum Marks : 55]

नोट: सभी खण्ड अनिवार्य हैं, जिनमें प्रश्नों के आंतरिक विकल्प दिये गये हैं।

**खण्ड - अ**

**(6×3=18)**

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं तीन को सन्दर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए। प्रत्येक 06 अंक

(क) हिंदू से कह दीजिए कि विलायती खांड खाने में अधर्म है। उसमें अभक्ष्य चीजें पड़ती हैं। चाहे आप वस्तुगति से कहें, चाहे राजनैतिक चालवाजी से कहें, चाहे अपने देश की आर्थिक अवस्था सुधारने के लिए उसकी सहानुभूति उपजाने का कहें। उसका उत्तर यह नहीं होगा कि राजनैतिक दशा सुधरनी चाहिए। उसका उत्तर यह नहीं होगा कि गन्ने की खेती बढ़े। उसका केवल एक ही कड़वा उत्तर होगा-वह

खांड खाना छोड़ देगा, बनी-बनाई मिठाई कौओं को डाल देगा, या बोरियाँ गंगाजी में बहा देगा।

(ख) एक निर्दोष के प्राण बचाने वाला असत्य उसकी हिंसा का कारण बनने वाले सत्य से श्रेष्ठ ही रहेगा, एक क्रूर स्वामी की न्यायपूर्ण आज्ञा का पालन करने वाले सेवक से उसका विरोध करने वाला अधिक स्वामिभक्त कहलायेगा और एक दुर्बल पर अन्याय करने वाले अत्याचारी को क्षमा कर देने वाले क्रोधजित से उसे दंड देने वाला क्रोध संसार का अधिक उपकार कर सकेगा। अन्य सिद्धांतों के लिए भी ही सत्य है और रहेगा।

(ग) मेरी आत्मा बड़ी सुलझी हुई बात कह देती है कभी-कभी। अच्छी आत्मा 'फोल्डिंग' कुर्सी की तरह होनी चाहिए। जरूरत पड़ी तब फैलाकर उस पर बैठ गए; नहीं तो मोड़कर कोने में टिका दिया। जब कभी आत्मा अड़ंगा लगाती है, तब मुझे समझ में आता है कि पुरानी कथाओं में आता है के दानव अपनी आत्मा को दूर किसी पहाड़ी पर तोते में क्यों रख देते थे। वे उससे मुक्त होकर बेखटके दानवी कर्म कर सकते थे। देव और दानव में अब भी तो यही फर्क है- एक की आत्मा अपने पास ही रहती है और दूसरी की उससे दूर।

- (घ) मन को हमारे आचार्यों ने ग्याहरवीं इन्द्रिय माना है। उसकी रंजन करना और उसे सुख पहुंचाना ही यदि कविता का धर्म माना जाय तो कविता भी केवल विलास की सामग्री हुई; परन्तु क्या हम कह सकते हैं कि वाल्मीकी का आदि काव्य, तुलसीदास का रामचरितमानस, या सूरदास का सूरसागर विलास की सामग्री है? यदि इन ग्रंथों से मनोरंजन होगा तो चरित्र-संशोधन भी अवश्य ही होगा। खंड के साथ कहना पड़ता है कि हिन्दी भाषा के अनेक कवियों ने शृंगार रस की उन्मादकारिणी उक्तियों से साहित्य को इतना भर दिया है कि कविता भी विलास की एक सामग्री समझी जाने लगी है।

**खण्ड - ब**  
( लघु उत्तरीय प्रश्न )

(3×5=15)

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन लघुउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए।  
प्रत्येक 05 अंक
- (क) निबंधों का वर्गीकरण प्रस्तुत कीजिए।
- (ख) शुक्लयुगीन निबंधों की प्रमुख विशेषताएं बताइये।
- (ग) आचार्य शुक्ल को निबंध शैली पर प्रकाश डालिए।
- (घ) 'अशोक के फूल' निबंध की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए।
- (ङ) चंद्रधर शर्मा गुलेरी की निबंध कला पर प्रकाश डालिए।

[P.T.O.]

**खण्ड - स**  
( दीर्घ उत्तरीय प्रश्न )

(11×2=22)

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए।  
प्रत्येक 05 अंक
- (क) निबन्ध का स्वरूप स्पष्ट करते हुए इसके प्रमुख तत्वों की विवेचना कीजिए।
- (ख) बाल कृष्ण भट्ट का साहित्यिक परिवर्धन देते हुए उनकी निबंध शैली की विवेचना कीजिए।
- (ग) 'जीने की कला' निबंध को समीक्षा कीजिए।
- (घ) 'कविता क्या है' निबंध का प्रतिपाद्य प्रस्तुत कीजिए।

<https://www.ssjuonline.com>

Whatsapp @ 9300930012

Send your old paper & get 10/-

अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,

Paytm or Google Pay से